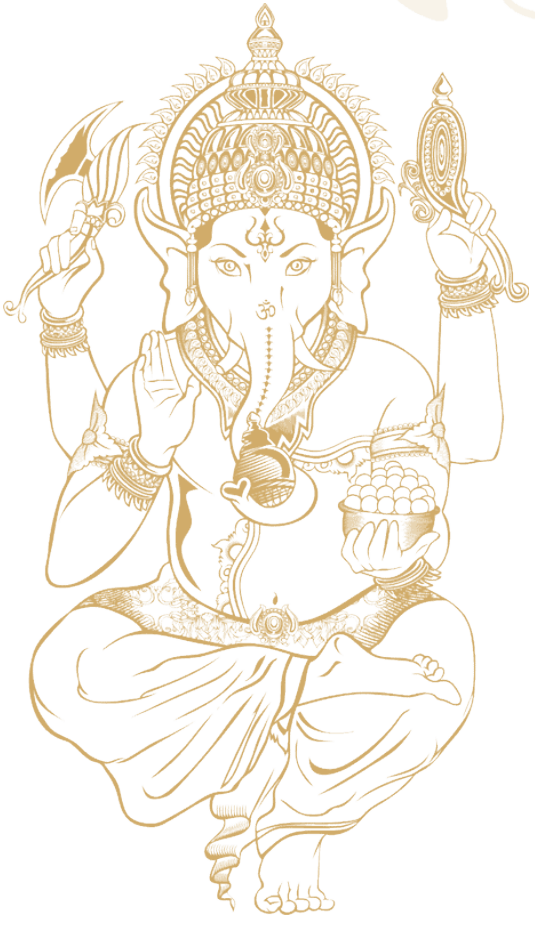

Swaroop

06 Jun 2006

12:45 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121377906

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**06/06/2006**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**12:45:00 घंटे**
इष्ट	18:24:53 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	12:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:01:24 घंटे
साम्पातिक काल	05:22:08 घंटे
सूर्योदय	05:23:02 घंटे
सूर्यास्त	19:16:38 घंटे
दिनमान	13:53:36 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	21:31:02 वृष
लग्न के अंश	27:42:54 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**कन्या - बुध**
नक्षत्र-चरण	**हस्त - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	व्यतिपात
करण	गर
गण	देव
योनि	महिष
नाड़ी	आद्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	मानव
वर्ग	श्वान
युँजा	मध्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	ण--
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - रजत
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	27:42:54	317:34:34	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	---
सूर्य			वृष	21:31:02	00:57:25	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			कन्या	17:02:56	12:00:34	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
मंगल			कर्क	07:34:31	00:36:14	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	केतु	नीच राशि
बुध			मिथु	10:58:46	01:40:40	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	शनि	स्वराशि
गुरु	व		तुला	16:21:15	00:05:06	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	शुक्र	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	15:08:33	01:10:21	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			कर्क	13:36:38	00:05:42	पुष्य	4	8	चंद्र	शनि	राहु	शत्रु राशि
राहु	व		मीन	07:33:35	00:00:54	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	सम राशि
केतु	व		कन्या	07:33:35	00:00:54	उ०फाल्गुनी	4	12	बुध	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
हर्ष			कुंभ	20:42:50	00:00:38	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	---
नेप	व		मक	25:48:45	00:00:28	धनिष्ठा	1	23	शनि	मंगल	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	01:44:57	00:01:32	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	---
दशम भाव			वृष	27:21:16	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:56:48

लग्न-चलित

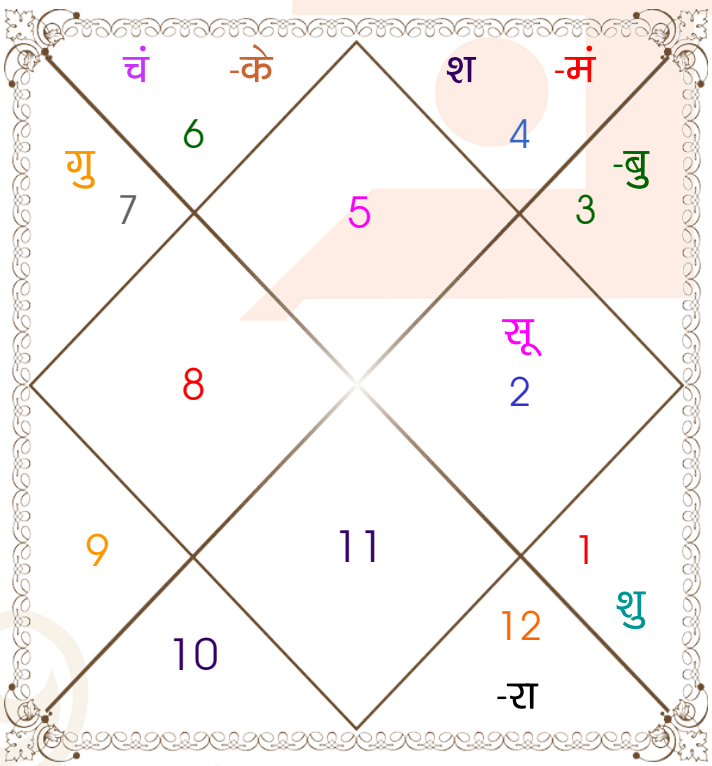

चन्द्र कुंडली

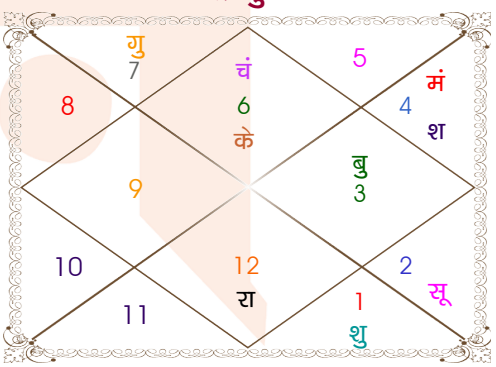

नवमांश कुंडली

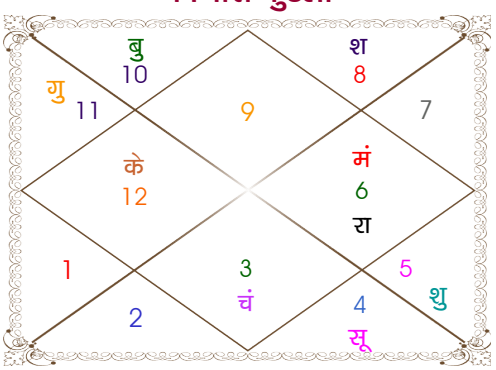

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 8 मास 17 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
06/06/2006		22/02/2011		21/02/2018		22/02/2036		22/02/2052	
22/02/2011		21/02/2018		22/02/2036		22/02/2052		22/02/2071	
	00/00/0000	मंगल	21/07/2011	राहु	04/11/2020	गुरु	11/04/2038	शनि	25/02/2055
	00/00/0000	राहु	07/08/2012	गुरु	30/03/2023	शनि	22/10/2040	बुध	04/11/2057
	00/00/0000	गुरु	14/07/2013	शनि	03/02/2026	बुध	28/01/2043	केतु	14/12/2058
	06/06/2006	शनि	23/08/2014	बुध	22/08/2028	केतु	04/01/2044	शुक्र	12/02/2062
शनि	23/12/2006	बुध	20/08/2015	केतु	10/09/2029	शुक्र	04/09/2046	सूर्य	25/01/2063
बुध	23/05/2008	केतु	16/01/2016	शुक्र	10/09/2032	सूर्य	23/06/2047	चंद्र	26/08/2064
केतु	22/12/2008	शुक्र	17/03/2017	सूर्य	04/08/2033	चंद्र	22/10/2048	मंगल	04/10/2065
शुक्र	23/08/2010	सूर्य	23/07/2017	चंद्र	03/02/2035	मंगल	28/09/2049	राहु	10/08/2068
सूर्य	22/02/2011	चंद्र	21/02/2018	मंगल	22/02/2036	राहु	22/02/2052	गुरु	22/02/2071

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
22/02/2071		22/02/2088		22/02/2095		23/02/2115		22/02/2121	
22/02/2088		22/02/2095		23/02/2115		22/02/2121		00/00/0000	
बुध	20/07/2073	केतु	20/07/2088	शुक्र	23/06/2098	सूर्य	12/06/2115	चंद्र	23/12/2121
केतु	17/07/2074	शुक्र	19/09/2089	सूर्य	23/06/2099	चंद्र	12/12/2115	मंगल	25/07/2122
शुक्र	17/05/2077	सूर्य	25/01/2090	चंद्र	22/02/2101	मंगल	18/04/2116	राहु	23/01/2124
सूर्य	24/03/2078	चंद्र	26/08/2090	मंगल	24/04/2102	राहु	12/03/2117	गुरु	24/05/2125
चंद्र	23/08/2079	मंगल	22/01/2091	राहु	24/04/2105	गुरु	30/12/2117	शनि	07/06/2126
मंगल	19/08/2080	राहु	10/02/2092	गुरु	24/12/2107	शनि	12/12/2118		00/00/0000
राहु	09/03/2083	गुरु	16/01/2093	शनि	23/02/2111	बुध	18/10/2119		00/00/0000
गुरु	14/06/2085	शनि	24/02/2094	बुध	23/12/2113	केतु	23/02/2120		00/00/0000
शनि	22/02/2088	बुध	22/02/2095	केतु	23/02/2115	शुक्र	22/02/2121		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 8 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।